एक माँ की बेबसी (कविता)

प्रश्न-अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1.यह बच्चा कवि के पड़ोस में रहता था, फिर भी कविता 'अदृश्य पड़ोस' से शुरु होती है। इसके कई अर्थ हो सकते हैं, जैसे|

(क) कवि को मालूम नहीं था कि यह बच्चा ठीक-ठीक किस घर में रहता था।

(ख) पड़ोस में रहने वाले बाकी बच्चे एक-दूसरे से बातें करते थे, पर यह बच्चा बोल नहीं पाता था, इसलिए पड़ोसी होने के बावजूद वह दूसरे बच्चों के लिए अनजाना था। इन दो में से कौन-सा अर्थ तुम्हें ज्यादा सही लगता है? क्या कोई और अर्थ भी हो सकता है?

उत्तर: (क) कवि को मालूम नहीं था कि यह बच्चा ठीक-ठीक किस घर में रहता था।

प्रश्न 2. "अंदर की छटपटाहट' उसकी आँखों में किस रूप में प्रकट होती थी?

(क) चमक के रूप में

(ख) डर के रूप में

(ग) जल्दी घर लौटने की इच्छा के रूप में

उत्तर: (ख) डर के रूप में।

तरह-तरह की भावनाएँ

प्रश्न 2.जो बच्चा बोल नहीं सकता, वह किस-किस बात की आशंका से 'घबराहट महसूस कर सकता है?

उत्तर:

- लोग उसके इशारों को ठीक-ठीक समझ पा रहे हैं या नहीं।
- कहीं कोई बेवजह डाँटने न लगे।
- कहीं कोई हम उम्र बच्चा उसे चिढ़ाने न लगे।

भाषा के रंग

प्रश्न 2. "बेबस' शब्द 'बे' और 'वश' को जोड़कर बना है। यहाँ बे का अर्थ 'बिना' है। नीचे दिए शब्दों में यही 'बे' छिपा है। इस सूची में तुम और कितने शब्द जोड़ सकती हो?

बेजान	बेचैन	....	....
बेसहारा	बेहिसाब	....	....

उत्तर

• बेवजह	• बेशर्म	• बेघर
• बेतरतीब	• बेईमान	• बेतार

प्रश्न 3.नीचे आँखों से जुड़े कुछ मुहावरे दिए गए हैं। तुम इनका प्रयोग किन संदर्भो में करोगे?

- आँख दिखाना
- नज़र चुराना
- आँख का तारा
- नज़रें फेर लेना
- आँख पर पर्दा पड़ना

उत्तर:

- आँख दिखाना-बच्चा जब जिद पर अड़ गया तो माँ ने आँखें दिखाईं। (डराने के अर्थ में)
- नज़र चुराना-झूठ बोलकर वह निकल तो गया लेकिन उसके बाद मुझसे नज़रें चुराने लगा। (किसी की नज़र से ओझल होने की कोशिश करना
- आँख का तारी-रतन अपनी माँ की आँखों का तारा था। (प्यारा)
- नज़रें फेर लेना-मतलब पूरा होते ही उसने नज़रें फेर लीं। (बदल गया)
- आँख पर पर्दा पड़ना-मि. सिन्हा को अपने बेटे की गलती नज़र नहीं आती। उनकी आँखों पर पर्दा पड़ा हुआ है। (नहीं दिखना)

माँ

“याद आती रतन से अधिक

उसकी माँ की आँखों में झलकती उसकी बेबसी”

प्रश्न 1. रतन की माँ की आँखों में किस तरह की बेबसी झलकती होगी?

उत्तर: अपने बेटे को बोल सकने में असमर्थ देखकर।।

प्रश्न 2. अपनी माँ के बारे में सोचते हुए नीचे लिखे वाक्यों को पूरा करो

(क) मेरी माँ बहुत खुश होती हैं जब मैं अच्छे अंकों से परीक्षा में पास होता हूँ।

(ख) माँ मुझे इसलिए डाँटती हैं क्योंकि मुझे गलती का अहसास हो और दोबारा वह गलती न करू।

(ग) मेरी माँ चाहती है कि मैं एक नेक और सच्चा इंसान बनें।

(घ) माँ उस समय बहुत बेबस हो जाती है जब मैं कभी बीमार पड़ जाता हूँ।

(ङ) मैं चाहती/ता हूँ कि मेरी माँ की आयु लम्बी और स्वस्थ हो।